(b) if so, what are the details including the total expenditure incurred, time-schedule and steps taken by Railways in this regard?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI AJAY SINGH); (a) No, Sir.

(b) No expenditure has been incurred by the Railways as the signaling system is not being changed in Bombay. However problems of low voltage power supply are being tackled in coordination with the Electric Supply authorities.

Composition of ACPU

259. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the names of the members of the Agricultural Cost and Price Commission and since when they have so appointed;

(b) whether Government propose to change the structure and membership of ACPC; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI NITISH KUMAR):

(a)

Name	Date of Appointment.
1. Dr. S. S. Johl, Chairman—	20-3-87.
2. Dr. D. S. Tyagi, Member-Secretary—	23-3-85.

Vacancies of two other Members in the Commission are in the process of being filled.

(b) and (c) No, Sir. However, the Government have constituted a Standing Advisory Committee of eminent persons representing farmers interests. The Ministry of Agriculture would regularly interact with this Committee and seek its advice on important matters of policy including support services like prices.

खाद्यान्नों का उत्पादन

260. डा० अबरार अहमद खान : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में गत वर्ष और इस वर्ष के दौरान विभिन्न खाद्यान्नों का कितनी-कितनी मात्रा में उत्पादन हुआ और इसी अवधि के दौरान राजस्थान में खाद्यान्नों का कितनी-कितनी मात्रा में उत्पादन हुआ ;

(ख) देश में इन वस्तुओं के उत्पादन और उपयोग के बीच कितना अंतर है ;

हमारा देश किन-किन वस्तुओं के मामले में आत्मनिर्भर है और आवश्यकता की पूर्ति के लिये किन-किन वस्तुओं का आयात करना पड़ता है ;

(ग) देश में तथा राजस्थान में कितनी हैक्टेयर भूमि ऐसी है जो अनुपजाऊ है और जिसे उपजाऊ भूमि में बदला जा सकता है और इस बंजर भूमि को उपजाऊ भूमि में बदलने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ; और

(घ) क्या सरकार ने इस संबंध में गत दो वर्षों के दौरान कोई धनराशि खर्च की है ; यदि हां, तो कितने क्षेत्र को उपजाऊ भूमि में बदला गया है और भविष्य में इस पर कितनी धनराशि खर्च किये जाने का विचार है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितीश कुमार) : (क) 1989-90 के लिए विभिन्न खाद्यान्नों के उत्पादन के अन्तिम अनुमान अभी राज्यों से देय नहीं हुए हैं । तथापि, अप्रैल, 1990 में आयोजित खरीफ सम्मेलन में बताए गए अनन्तिम अनुमानों के आधार पर, 1989-90 के दौरान सम्पूर्ण देश में तथा पृथक से राजस्थान में विभिन्न खाद्यान्नों के उत्पादन के साथ-साथ पिछले वर्ष अर्थात 1988-89 के संगत आंकड़े (नीचे देखिए) विवरण में दिये गये हैं ।